पाठ 4

1. क्या परमेशवर के पास मांस या हड्डियां या खून है?

-नहीं।

2. अगर परमेशवर के पास मांस, या हड्डियां, या खून नहीं है, तो परमेशवर क्या है?

-परमेशवर आत्मा है।

3. परमेशवर कहाँ है?

-परमेशवर हर समय हर जगह है।

4. हम परमेशवर से छिपने के लिए कहाँ जा सकते हैं?

-हम परमेशवर से छिप नहीं सकते।

5. कितने देवता हैं?

-परमेशवर केवल एक है।

6. वे तीन व्यक्ति कौन हैं जो एक परमेशवर हैं?

- परमेशवर पिता , परमेशवर पुत्र और परमेशवर पवित्र आतमा।

- सभी देवदूत कहां से आए?

-परमेशवर ने उन सभी को शुरुआत में बनाया था।

- शुरुआत से पहले, स्वर्गदूतों में से कोई भी जीवित नहीं था।

-परमेशवर स्वर्गदूतों से बड़ा क्यों है?

-क्योंकि परमेशवर स्वर्गदूतों के सामने रहता था।

-क्योंकि परमेशवर ने स्वर्गदूतों को बनाया है।

-क्योंकि परमेशवर ने स्वर्गदूतों को जीवन दिया।

-क्योंकि परमेशवर सर्वशक्तिमान है।

-जब परमेशवर ने स्वर्गदूतों को बनाया, तो क्या परमेशवर ने उन्हें मांस और खून दिया?

-नहीं।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाया।

-परमेशवर आत्मा है, और स्वर्गदूत आत्माएं हैं, लेकिन परमेशवर स्वर्गदूतों से बड़ा है।

-परमेशवर सर्व शक्तिशाली हैं।

-लेकिन सभी स्वर्गदूत शक्तिशाली नहीं हैं।

-परमेशवर हर समय हर जगह हो सकते हैं।

-लेकिन फ़रिश्ते एक समय में केवल एक ही स्थान पर हो सकते हैं।

-भले ही परमेशवर ने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाया हो, कभी-कभी स्वर्गदूत लोगों की तरह दिखने के लिए अपना बाहरी रूप बदल लेते हैं।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को क्यों बनाया?

-क्या परमेशवर को किसी मदद की जरूरत थी?

-नहीं।

-परमेशवर की शक्ति कभी समाप्त नहीं होती और शाश्वत है।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को क्यों बनाया?

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को उससे प्यार करने के लिए बनाया है।

-परमेशवर ने उसकी आज्ञा मानने के लिए स्वर्गदूतों को बनाया।

-परमेशवर ने उसकी सेवा करने के लिए स्वर्गदूतों को बनाया।

-अगर आदमी घर बनाता है, तो घर का मालिक कौन है?

-मनुष्य।

-क्यों?

-क्योंकि वह आदमी है जिसने घर बनाया है।

-यदि स्त्री घड़ा बनाती है, तो घड़े का स्वामी कौन है?

-औरत।

-क्यों?

-क्योंकि बर्तन बनाने वाली महिला है।

-अगर परमेशवर ने स्वर्गदूतों को बनाया, तो स्वर्गदूतों का मालिक कौन है?

-परमेशवर।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर वह है जिसने स्वर्गदूतों को बनाया है।

-क्योंकि परमेशवर ने स्वर्गदूतों को बनाया है, देवदूत परमेशवर के हैं।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को अच्छा या बुरा बनाया?

-परमेशवर ने सभी स्वर्गदूतों को केवल अच्छा बनाया है।

-परमेशवर बुरे स्वर्गदूत नहीं बना सकते।

-परमेशवर कुछ भी बुरा नहीं बना सकते।

-वह सब जो परमेशवर सोचता है वह केवल अच्छा है।

-वह सब जो परमेशवर कहते हैं केवल अच्छा है।

-परमेशवर जो कुछ भी करता है वह केवल अच्छा होता है।

-परमेशवर ने कितने देवदूत बनाए?

-परमेशवर ने कई स्वर्गदूत बनाए, और हम उन सभी की गिनती नहीं कर सकते।

-शुरुआत में, सभी स्वर्गदूत कहाँ रहते थे?

-परमेशवर के साथ स्वर्ग में।

-स्वर्ग क्या है?

-स्वर्ग परमेशवर का विशेष स्थान है जहां वे रहते हैं।

-परमेशवर स्वर्ग में है, लेकिन परमेशवर भी यहां पृथ्वी पर हर जगह हैं।

-स्वर्ग कहाँ है?

-हम नहीं जानते, लेकिन स्वर्ग चाँद, सूरज और सितारों से परे है।

-परमेशवर ने एक देवदूत को बहुत ज्ञान और बहुत सुंदरता के साथ बनाया।

-बहुत ज्ञान और बहुत सुंदरता के साथ बनाए गए देवदूत का नाम क्या था?

-लूसिफ़ेर।

-क्या परमेशवर ने लूसिफ़ेर को अच्छा या बुरा बनाया?

-अच्छा।

-परमेशवर केवल अच्छे स्वर्गदूत ही बना सकते हैं।

-परमेशवर बुरे स्वर्गदूत नहीं बना सकते।

-परमेशवर ने लूसिफर को बहुत ज्ञान के साथ बनाया, लेकिन परमेशवर की बुद्धि कभी खत्म नहीं होती।

-परमेशवर ने लूसिफ़ेर को बहुत सुंदरता से बनाया है, लेकिन परमेशवर की सुंदरता कभी समाप्त नहीं होती है।

-क्योंकि परमेशवर ने लूसिफ़ेर को बनाया, लूसिफ़ेर किसका था?

-परमेशवर का।

-क्योंकि परमेशवर ने लूसिफ़ेर को बनाया, लूसिफ़ेर को किसकी बात माननी चाहिए?

-परमेशवर की।

-शुरुआत में लूसिफर को क्या हुआ था?

-लूसिफर ने उसकी बुद्धि और सुंदरता को देखा और गर्वित हो गया।

-लूसिफर अभिमानी हो गया, और परमेश्वर को गद्दी से उतारना चाहता था।

-लूसिफर गर्वित हो गया, और परमेशवर का स्थान लेना चाहता था।

-लूसिफर गर्वित हो गया, और परमेशवर बनना चाहता था।

-लूसिफर गर्वित हो गया, और बुराई करने वाला पहला व्यक्ति था।

-सबसे पहले बुराई करने वाला कौन था?

-लूसिफ़ेर।

-बुराई क्या है?

-बुराई एक ऐसी चीज है जो परमेशवर नहीं चाहता।

-बुराई वह सब कुछ है जो परमेशवर नहीं चाहता।

-क्या परमेशवर को पता था कि लूसिफर उसे गद्दी से उतारना चाहता था?

-हां।

-परमेशवर लूसिफर के सभी बुरे विचारों को जानता था।

-क्या परमेशवर ने लूसिफ़ेर को उसे गद्दी से हटाने की अनुमति दी थी?

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-एक बुद्धिमान, शक्तिशाली व्यक्ति अपने गांव का मुखिया होता था।

-एक दिन, उसके मूर्ख, कमजोर बेटे ने अपने पिता को गद्दी से उतारने का फैसला किया।

-क्या बुद्धिमान, शक्तिशाली मुखिया अपने मूर्ख, कमजोर बेटे को उसे गद्दी से उतारने की अनुमति देगा?

-नहीं।

-परमेशवर से ज्यादा मजबूत कौन है?

-कोई नहीं।

-परमेशवर से ज्यादा बुद्धिमान कौन है?

-कोई नहीं।

-क्या परमेशवर ने लूसिफ़ेर को उसे गद्दी से हटाने की अनुमति दी थी?

-नहीं।

-क्योंकि लूसिफर सबसे पहले पाप करने वाला था, परमेशवर ने लूसिफर का नाम बदल दिया।

-लूसिफर का नया नाम क्या है?

-शैतान।

-शैतान के नाम का क्या अर्थ है?

-शैतान के नाम का अर्थ है "दुश्मन।"

-शैतान परमेशवर का शत्रु है।

-शैतान सभी लोगों का दुश्मन है।

-परमेशवर ने शैतान को बुराई करने के लिए कैसे दंडित किया?

-परमेश्वर शैतान पर बहुत क्रोधित हुआ और उसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया।

-परमेशवर किसी को भी उसके साथ रहने की अनुमति नहीं देगा जो बुराई करता है।

-ऐसे कई स्वर्गदूत थे जिन्होंने परमेश्वर के विरूद्ध विद्रोह में शैतान का अनुसरण किया।

-क्योंकि जिन स्वर्गदूतों ने शैतान का अनुसरण किया, उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया, परमेश्वर ने उनके नाम बदल दिए।

-शैतान का अनुसरण करने वाले स्वर्गदूतों का नया नाम क्या है?

-दानव।

-राक्षस परमेशवर के शत्रु हैं।

-राक्षस सभी लोगों के दुश्मन हैं।

-परमेशवर ने शैतान का अनुसरण करने वाले राक्षसों को कैसे दंडित किया?

-परमेश्वर उन पर बहुत क्रोधित हुआ, और उन सभी को स्वर्ग से बाहर फेंक दिया।

-परमेशवर किसी को भी उसके साथ रहने की अनुमति नहीं देगा जो बुराई करता है।

-परमेशवर ने शैतान और उसके राक्षसों को और कैसे दंडित किया?

-परमेशवर ने शैतान और उसके राक्षसों के लिए अनन्त दंड का एक भयानक स्थान तैयार किया।

-अनन्त सजा के इस भयानक स्थान का नाम क्या है?

-अनन्त अग्नि की झील।

-एक दिन, परमेशवर शैतान और उसके राक्षसों को अनन्त आग की झील में भेज देंगे।

-परमेशवर परिपूर्ण है, और सभी बुराई से नफरत करता है।

-परमेशवर परिपूर्ण है, और हमेशा अवज्ञा को दंडित करता है।

-शैतान और उसके राक्षस अब कहाँ रहते हैं?

-शैतान और उसके राक्षस अब पृथ्वी पर रहते हैं।

-शैतान और उसके राक्षस अब क्या करते हैं?

-वे दिन-रात परमेशवर के काम के खिलाफ लड़ते हैं।

-शैतान और उसके राक्षस परमेश्वर से घृणा करते हैं।

-शैतान और उसके दुष्टात्माएँ सभी लोगों से घृणा करते हैं।